कक्षा- **9** दिनांक **-13/07/2021**

हिमालय पर्वत-

1- यह पर्वत श्रृंखलाएं पश्चिम-पूर्व दिशा में सिंधु से लेकर ब्रह्मपुत्र तक फैली हैं|
2- हिमालय विश्व की सबसे ऊंची पर्वत श्रेणी है, और एक अत्यधिक असम अवरोधों में से एक है|
3- हिमालय पर्वत 24 किलोमीटर की लंबाई में फैले एक अर्धवृत्त का निर्माण करते हैं| इसकी चौड़ाई कश्मीर में 400 किलोमीटर एवं अरुणाचल में 150 किलोमीटर है |
4- देशांतरीय विस्तार के साथ हिमालय को तीन भागों में बांट सकते हैं| सबसे उत्तरी भाग में स्थित श्रृंखला को महान या आंतरिक हिमालय या हिमाद्रि कहते हैं | यह सबसे अधिक सतत श्रृंखला है| इसमें 6000 मीटर की औसत ऊंचाई वाले सर्वाधिक ऊंचे शिखर हैं| इसमें हिमालय के सभी मुख्य शिखर हैं|
5- महान हिमालय के भाग का क्रोड ग्रेनाइट का बना है| यह श्रृंखला हमेशा बर्फ से ढकी रहती हैं तथा इससे बहुत सी नदियों का प्रवाह होता है |
6- हिमाद्रि के दक्षिण में स्थित श्रृंखला सबसे अधिक असम है एवं हिमाचल या निम्न हिमालय के नाम से जानी जाती है|
7- इनकी ऊंचाई 3700 मीटर से 4500 मीटर के बीच तथा औसत चौड़ाई 50 किलोमीटर है|
8- पीर पंजाल श्रृंखला सबसे लंबी तथा सबसे महत्वपूर्ण श्रृंखला है| धौलाधर एवं महाभारत की श्रृंखलाएं भी महत्वपूर्ण है |
8- इसी श्रृंखला में कश्मीर की घाटी तथा हिमाचल के कांगड़ा एवं कुल्लू की घाटियां स्थित है| इस क्षेत्र को पहाड़ी नगरों के लिए जाना जाता है|
9- हिमालय की सबसे बाहरी श्रृंखला को शिवालिक कहा जाता है| इनकी चौड़ाई 10 से 50 किलोमीटर तथा ऊंचाई 900 से 1100 मीटर के बीच हैं|
10- यह श्रृंखलाएं उत्तर में स्थित मुख्य हिमालय की श्रृंखलाओं से नदियों द्वारा लाई गई असंपीड़ित अवसादो से बनी हैं|
11- निम्न हिमाचल तथा शिवालिक के बीच में स्थित लंबवत घाटी को दून के नाम से जाना जाता है| कुछ प्रसिद्ध दून है- देहरादून, कोटलीदून एवं पाटलीदून |